(ग) जी, हां।

(घ) पिछले तीन वर्षों के दौरान व्यवसायिक प्रशिक्षण दिए गए भू-वंचित भर्ती किए गए व्यक्तियों की संख्या नीचे दी गई है :

वर्ष	भा०को०को० लि०	से०को०लि०
1991–92	230	88
1992–93	133	15
1993–94	49 (सितम्बर, 1993)	19 (नवम्बर, 1993)
जोड़ :	412	122

गुजरात विद्युत बोर्ड के अधीन कोयले की मांग

6244. **श्री विमलभाई हरि भाई शुक्ल :** क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गुजरात राज्य सरकार ने गुजरात बिजली बोर्ड के अधीन विभिन्न बिजली घरों के लिए आगामी वर्षों के लिए कोयले की मांग के प्रस्ताव भेजे हैं ;

(ख) चालू वर्ष के दौरान इन बिजली घरों के लिए वास्तव में कितना कोयला आवंटन हेतु प्रावधान किया गया है ;

(ग) क्या इन बिजली घरों को इनकी आवश्यकता के अनुसार कोयले का आवंटन कर दिया गया है ;

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(ङ) इन बिजली घरों को कोयले की अपेक्षित आवंटन/आपूर्ति हेतु क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (के०वि०प्रा०) ने, राज्यों में कोयले पर आधारित सभी विद्युत गृहों की आवश्यकताओं का, उनके लिए निर्धारित उत्पादन लक्ष्य के आधार पर, मूल्यांकन किया है। ऐसा ही मूल्यांकन गुजरात विद्युत बोर्ड के अधीन विद्युत गृहों के मामले में भी किया गया है।

(ख) से (घ) वर्ष 1993–94 के लिए गुजरात राज्य विद्युत बोर्ड के विद्युत गृहों के लिए केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा सूचित 11.78 मि० टन आवश्यकता की तुलना में कुल प्रेषण 10.847 मि० ट० (अनंतिम) तक था, जोकि मांग को 92.07% तक पूरा किए जाने का द्योतक है। के० वि० प्रा० ने गुजरात विद्युत बोर्ड की आवश्यकता 1994–95 के लिए 11.7 मि० ट० (अनंतिम) बतायी है। गुजरात विद्युत बोर्ड सहित देश में विद्युत गृहों की कोयले की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कोयला कंपनियों को निर्देश दिया गया है।

(ङ) विद्युत क्षेत्र के लिए स्थाई संयोजन समिति (अल्प कालीन) द्वारा तिमाही आधार पर तापीय विद्युत गृहों को कोयला संयोजन मुहैया किया जाता है। विद्युत गृहों को कोयले की आपूर्ति प्राथमिकता के आधार पर की जाती है। साप्ताहिक समन्वय बैठकों में आपूर्ति का नियमित आधार पर प्रबोधन किया जाता है तथा कोयले की आपूर्ति में जहां कहीं भी वृद्धि किए जाने की आवश्यकता होती है, उस बारे में उपचारी कदम उठाए जाते हैं।